B.A Part-2nd

Home-Science

Topic :- बच्चों मे रोग : लक्षण एवं उपाय

बच्चों मे रोगों के कुछ प्रारम्भिक लक्षण निम्न प्रकार है –

- व्यवहार मे परिवर्तन
- भूख कम लगना
- शौच मे अनियमितता
- शरीर के तापमान मे परिवर्तन
- भार मे कमी
- निद्रा मे परिवर्तन
- गोदि ना छोड़ना

बच्चों के कुछ समान्य रोग :

1) कब्ज

कारण

- तरल पदार्थों का कम मात्रा मे सेवन करना
- रेशायुक्त पदार्थों का कम मात्रा मे ग्रहण करना
- आंतो का कमजोर होना
- शिशु को ऊपरी दूध द्वारा पोषित करना।

उपचार

- बच्चे के भोजन मे नियमितता रखनी चाहिए।
- बच्चों को नियमित रूप से समय पर मल त्याग के लिए प्रेरित करना
- बच्चे के आहार मे तरल पदार्थों ; जैसे - फलों का रस तथा सब्जियों के सूप की मात्रा बढ़ा देना चाहिए।
- यदि दो दिन तक मल त्याग न हो तो ग्लिसरीन की बत्ति या एनीमा देना चाहिए, परन्तु यह चिकित्सक के परामर्श से करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

2) भूख ना लगना

कारण

- बच्चे को कोई पाचन विकार जैसे - कब्ज, अपच आदि होना।
- यकृत के रोग और आँतों के संक्रमण से भी भूख कम हो जाती है।
- बच्चा अत्यधिक थका हुआ हो।

उपचार

- सर्वप्रथम भूख न लगने का कारण ज्ञात करना चाहिए। यदि कारण ज्ञात न हो तो चिकित्सक को दिखाकर उपयुक्त दवा देनी चाहिए।

3) दूध उलटना

कारण

- शिशु का पाचन संस्थान कमजोर होना
- दूध पीते समय अधिक मात्रा मे वायु का पेट मे चले जाना
- शिशु का दूध अधिक प्रोटीन व वसायुक्त होना
- दूध पिलाने के बाद शिशु को पेट के बल लिटा देना।
- शिशु द्वारा अधिक मात्रा मे दूध पी लेना

उपचार

- शिशु को स्तनपान या बोतल का दूध सही तरीके से पिलाएँ जिससे वायु पेट मे ना जाए
- दूध पिलाने के बाद कन्धे से लगाकर डकार अवश्य दिलाएँ।
- दूध पिलाने के बाद बच्चे को पेट के बल न लिटाएँ।

4) सर्दी - खाँसी

कारण

- मौसम का अत्यधिक ठण्डा होना
- बच्चो का शीत ऋतु मे पानी के साथ खेलना,

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

• तापमान मे एकाएक परिवर्तन होना

उपचार

• सर्दी से बचाएँ
• बिमार बच्चे को नहलाएँ नही बल्कि स्पंज करे
• मालिश के तुरन्त बाद स्नान न कराएँ
• यदि तीन - चार दिन मे जुकाम की तीव्रता कम न हो तो चिकित्सक से संपर्क करे।

5) आक्षेप व ज्वर

कारण

• मस्तिष्क को संक्रमण द्वारा क्षति पहुँचने पर
• बच्चो को मैनिन्जाइटिस रोग होने पर
• तीव्र ज्वर जैसे मलेरिया, निमोनिया आदि होने पर
• मिरगी रोग होने पर
• मस्तिष्क मे जन्मजात रोग होने पर
• आमाशय में आन्त्रशोथ होने पर

6) गलतुण्डिका

• गले के दोनो ओर की ग्रन्थियो में सूजन आ जाती है।
• गले के अन्दर का भाग लाल तथा दोनो ओर की ग्रन्थियाँ बढी हुई दिखाई देती है।
• कान मे मारीपन तथा दर्द रहता है।
• तेज बुखार व उल्टियाँ होती है।

7) आँख का दुखना

• आँख लाल एवं सूजी हुई दिखाई देती है।
• आँखो से कीचड़ निकलती दिखाई देती है।
• सोने के बाद आँखो की पलके चिपक जाती है।

Scanned with CamScanner

8) पेट में कीड़े

क) गोल कृमि

ये कीड़े सामान्यतः 8 इंच तक लम्बे होते हैं जो आँतो मे रहते हैं। ये भोजन, जल तथा कच्ची साग-सब्जी के माध्यम से आँतो मे पहुँच जाते हैं। इसके कारण बच्चो मे अपच, पेट दर्द और पेट का फूलना जैसे लक्षण परिलक्षित होते हैं।

ख) सूत्र कृमि

ये कीड़े सामान्यतः बच्चों में ही पाए जाते हैं। इनका आकार छोटा तथा रंग सफेद होता है। बच्चो मे इनके गुदामार्ग मे खुजली बिस्तर मे पेशाब करना, बार-बार मल त्याग की इच्छा होना जैसे लक्षण पाए जाते हैं।

ग) अंकुश कृमि

ये छोटे आकार के कृमि हैं जो आँतो मे पाये जाते हैं। ये आँतो की दीवार से चिपक जाते हैं और रक्त चूसते हैं। इसके कारण बच्चो के रक्ताल्पता, कमजोरी, बच्चे का विकास रुकना, पाचन शक्ति क्षीण होना, भूख न लगना आदि लक्षण पाये जाते हैं।

Lecture: 16

डा० वंदना कुमारी
गृह विज्ञान विभाग
सर्वनारायण सिंह राम कु० सिंह कॉलेज,
सहरसा

Topic: बच्चों मे रोग : लक्षण एवं आय

Scanned with CamScanner